www.sgbauonline.com

(२) 'श्रीधर पाठक के काव्य में प्रकृति के रमणीय दृश्य हैं'। स्पष्ट कीजिए।

(३) महादेवी वर्मा की प्रणयानुभूति का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

(४) 'रत्नाकरजी नें अपने काव्य में श्रृंगार की वर्षा की हैं'। स्पष्ट कीजिए।

(५) गिरिजाकुमार माथुर के काव्य की विशेषताएँ संक्षेप में लिखिए।

(६) दुष्यंतकुमार की गजलों में आत्मसंघर्ष की अभिव्यक्ति किस प्रकार हुई हैं ?

(७) धर्मवीर भारती के काव्य में अभिव्यक्त आधुनिक भाव-बोध को समझाइए।

(८) हरिवंशराय बच्चन के 'हालावाद' का परिचय दीजिए।

(९) कवि जगदीश गुप्त के व्यक्तित्व का परिचय दीजिए।

(१०) शमशेर बहादुर काव्य में चित्रित प्रेमतत्व का परिचय दीजिए। २०

४. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर लिखिए :—

(क) निम्नलिखित में से कौन-सा कवि प्रगतिवादी नहीं माना जाता।

(श्रीधर पाठक, नागार्जुन, जयशंकर प्रसाद)

(ख) श्रध्दा कामायनी का तृतीय सर्ग है।

(सत्य / असत्य)

AQ – 215

M. A. Part – II (Hindi) Examination

ADHUNIK KAVYA

Paper – I

P. Pages : 6

समय : तीन घंटे] [पूर्णांक : 100

१. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **तीन** की संदर्भसहित व्याख्या कीजिए :—

(अ) निरख सखी, ये खंजन आये,
फेरे उन मेरे रंजन ने नयन इधर मन भाये!
फैला उनके तन का आतप, मन ने सर सरसाये,
घूमें वे इस ओर वहाँ, ये हंस यहाँ उड़ छाये!
करके ध्यान आज इस जन का निश्चय वे मुसकाये,
फूल उठे हैं कमल, अधर-से ये बन्धूक सुहाये!
स्वागत, स्वागत, शरद, भाग्य से मैंने दर्शन पाये,
नभ ने मोती वारे, लो, ये अश्रु अर्घ्य भर लाये!

(आ) यह अभिनव मानव प्रजा सृष्टि
द्वयता में लगी निरंतर ही वर्णों की करती रहें वृष्टि,
अनजान समस्याएँ गढ़ती रचती हो अपनी ही विनष्टि,
कोलाहल कलह अनंत चले, एकता नष्ट हो, बढ़े भेद,
अभिलषित वस्तु तो दूर रहें, हाँ मिले अनिच्छित दुखद खेद,
हृदयों का हो आवरण सदा, अपने वक्षस्थल की जड़ता,
पहचान सकेंगे नहीं परस्पर, चले विश्व गिरता पड़ता,
तब कुछ भी हो यदि पास भरा पर दूर रहेंगी सदा तुष्टि
दुःख देंगी यह संकुचित दृष्टि।

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(इ) निर्दय उस नायक नें,
निपट निठुराई की,
कि झोंकों की झाड़ियों में,
सुन्दर सुकुमार देह सारी झकझोर डाली,
मसल दिये गोरे कपोल गोल;
चौंक पड़ी युवती--
चकित चितवन निज चारों ओर फेर,
हेर प्यारे को सेज-पास,
नम्र मुख हँसी-खिली,
खेल रंग, प्यारे संग

(ई) एक सौ वर्ष, नगर उपवन,
एक सौ वर्ष, विजन वन!
--यही तो हैं असार संसार,
सृजन, सिंचन, संहार!
आज गर्वोन्नत हर्म्य अपार
रत्न दीपावलि, मन्त्रोच्चार;
उलूकों के कल भग्न विहार,
झिल्लियों की झनकार!

(उ) ले मैं खोल देता हूँ कपाट सारे
मेरे इस खंढहर की शिरा-शिरा छेद के
आलोक की अनी से अपनी,
गढ़ सारा ढाह कर दूह भर कर दे;
विफल दिनों की तू कलौंस पर माँज जा
मेरी आँखें आँज जा
कि तुझे देखूँ
देखूँ और मन में कृतज्ञता उमड़ आये
पहनूँ सिरोपे-से ये कनक-तार तेरे-।

(ऊ) शत-सहस्र फुट ऊँचाई पर
दुर्गम बर्फानी घाटी में
अलख नाभि से उठने वाले
निज के ही उन्मादक परिमल-
के पीछे धावित हो-होकर
तरल-तरुण कस्तूरी मृग को
अपने पर चिढ़ते देखा है,
बादल को घिरते देखा है। ३०

२. निम्नलिखित दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर लिखिए :—

(१) कामायनी के दार्शनिक पक्ष का विश्लेषण करते हुए, प्रसाद द्वारा प्रतिपादित समरसता सिध्दांत का विवेचन कीजिए।

(२) ऊर्मिला के विरह-वर्णन पर एक सारगर्भित निबंध लिखिए।

(३) नागार्जुन के यथार्थवादी दृष्टिकोण को सविस्तार स्पष्ट कीजिए।

(४) सुमित्रानंदन पंत के काव्य में चित्रित प्राकृतिक-सौंदर्य को सोदाहरण लिखिए। ३०

३. निम्नलिखित लघुत्तरी प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** के उत्तर लिखिए :—

(१) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की भाषा-शैली की विशेषताएँ लिखिए।

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(ग) मैथिलीशरण गुप्तजी नें किससे प्रेरणा प्राप्त कर, हिन्दी काव्य क्षेत्र में पदार्पण किया ?
(जगन्नाथदास रत्नाकर, महावीरप्रसाद द्विवेदी, अयोध्यासिंह उपाध्याय)

(घ) निराला ने 'जूही की कली' किस छंद में लिखी हैं ?

(च) गिरिजाकुमार माथुर का नाम तारसप्तक के सात कवियों में हैं।
(सत्य / असत्य)

(छ) निराला ने किस हिन्दी पत्रिका का संपादन किया ?

(ज) 'वैदेही वनवास' कृति के लेखक कौन हैं ?
(अयोध्यासिंह उपाध्याय, मैथिलीशरण गुप्त, भारतेंदु हरीशचन्द्र)

(झ) हिन्दी की किस कवियित्री ने मैं 'मैं नीर भरी दुःख की बदली' कहकर आत्मपरिचय दिया हैं ?

(त) छायावादी युग का प्रवर्तक किसे कहा जाता है ?
(सुमित्रानंदन पंत, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', जयशंकर प्रसाद)

(र) श्रीधर पाठक ने केवल खड़ी बोली में ही रचनाएं की।
(सत्य / असत्य)

(द) मैथिलीशरण गुप्त हिन्दी साहित्य के किस युग से है ?

(ध) नागार्जुन नें हिन्दी के अतिरिक्त ..... में भी लिखा।
(मैथिली, उड़िया, मराठी)

(न) 'महाप्राण' के नाम से किस कवि को संबोधित किया जाता हैं ?

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(ट) 'अज्ञेय' ने तारसप्तक का संपादन कार्य किया।
(सत्य / असत्य)

(ठ) 'सूरज का सातवां घोड़ा' किसकी रचना है?

(ड) दुःखवाद 'कामायनी' का जीवन-दर्शन हैं।
(सत्य / असत्य)

(ढ) सुमित्रानंदन पंत का जन्म स्थान कौनसा है?

(य) शमशेर बहादुर सिंह भारतेंदु युग के कवि हैं।
(सत्य / असत्य)

(र) 'वियोगी होगा पहला कवि, आह से उपजा होगा गान।
उमड़कर आँखों से चुपचाप, बही होगी कविता अनजान।'
उपर्युक्त पंक्तियों के रचयिता कवि कौन हैं?
(सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', डॉ. रामकुमार वर्मा, सुमित्रानंदन पंत)

(ल) 'नीड़ का निर्माण फिर' के रचनाकार का नाम लिखिए।
२०

www.sgbauonline.com